

शैलेय पुं. (वि.) 1. पहाड़ी, पहाड़ का 2. पत्थर या चट्टान से उत्पन्न 3. पथरीला, जिसमें पत्थर हो 4. कठोर, कड़ा, सख्त पुं. 1. शिलाजीत 2. सिंह 3. सेंधा नमक 4. भौरा 5. मूसलीकंद 6. छरीला 2. पहाड़ी चट्टान।

शैलेयी स्त्री. (तत्.) पार्वती।

शैलेश्वर पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

शैलोद्भवा पुं. (तत्.) दे. शैलजा।

शैल्य वि. (तत्.) 1. पत्थर का 2. पथरीला 3. पहाड़ी जैसा 4. कठोर, सख्त।

शैव वि. (तत्.) शिव सम्बन्धी, शिव का जैसे- शैवमत पुं. 1. शिव भक्त, शिव का उपासक 2. शिव को परमतत्त्व मानकर उपासना करने वालों का सम्प्रदाय, शैव भक्त, शिव-समुदाय का अनुयायी विशेष. शैव भक्तों के कुल चार सम्प्रदाय प्रसिद्ध हैं- (क) पाशुपत, जिसका मुख्य क्षेत्र गुजरात एवं राजस्थान है (ख) शैव सिद्धान्त जिसका मुख्य क्षेत्र तमिलनाडु है (ग) वीर शैवमत-जिसका प्रमुख क्षेत्र कर्नाटक है (घ) कश्मीर शैवमत- जिसका प्रमुख क्षेत्र कश्मीर है 3. जैन धर्म के अनुसार पाँचवे कृष्ण या वासुदेव का एक नाम 4. धतूरा 5. अड़ूसा।

शैवमत पुं. (तत्.) भगवान शिव को परम तत्त्व मानने वाला सम्प्रदाय विशेष।

शैवल पुं. (तत्.) 1. पद्म काष्ठ, पदमकाठ 2. सेवार 3. एक प्राचीन पर्वत।

शैवलिनी स्त्री. (तत्.) नदी, पर्वतों से निकलने वाली जलधारा अर्थात् नदी।

शैवागम पुं. (तत्.) शैवमत के प्रतिपादक धर्म ग्रंथ, शास्त्र, ईसा पूर्व सातवीं शती से पूर्व लिखित शैव धर्म से संबंधित ग्रंथ जैसे- विज्ञान भैरव, आनन्दभैरव, मृगेन्द्र रुद्रयामल आदि।

शैवाल पुं. (तत्.) सेवार, नदियों-तालाबों में पैदा होने वाली वह घास जिसके किनारे तीखे, धारदार और सख्त होते हैं उदा. सलिल प्रवाह में ज्यों बहता शैवाल- जाल (गीतिका, निराला)।

शैव्य वि. (तत्.) शिव-संबंधी, शिव का पुं. 1. भगवान कृष्ण के एक घोड़े का नाम 2. पाण्डवों की सेना का एक यूथप।

शैशव वि. (तत्.) 1. शिशु सम्बन्धी, शिशुओं या बच्चों का 2. शिशुओं या छोटे बच्चों की अवस्था से सम्बद्ध पुं. 1. पांच वर्ष से कम की अवस्था, बचपन, शिशु अवस्था 2. लडकपन, शिशु होने की अवस्था।

शैशविक वि. (तत्.) शैशव संबंधी, शैशव का।

शैशवी वि. (तत्.) 1. शिशुओं का, शिशुओं को होने वाला (रोग) 2. शिशुओं के समान, बचकाना 3. शिशु अवस्था से सम्बन्धित, शैशवकालीन जैसे- शैशवी स्मृतियाँ।

शैशिर वि. (तत्.) 1. शिशिर संबंधी, शिशिर कालीन, शिशिर ऋतु का 2. शिशिर ऋतु में होने वाला (कार्य, रोग) पुं. 1. ऋग्वेद की एक शाखा के प्रवर्तक ऋषि 2. चातक पक्षी।

शैषिक वि. (तत्.) शेष भाग या अन्तिम भाग से सम्बद्ध, शेष का।

शो पुं. (अं.) 1. प्रदर्शन, दिखावा, प्रस्तुत करना जैसे- दिल से काम करो, कृत्रिम शो नहीं 2. खेल, मनोरंजन करने वाली सार्वजनिक गतिविधि, तमाशा जैसे- जादूगारी का शो, नाटक का शो, सिनेमा का शो 3. प्रदर्शनी, नुमाइश जैसे- फूलों का शो, पेंटिंग का शो। show

शोक पुं. (तत्.) 1. किसी आत्मीय या प्रिय व्यक्ति, वस्तु आदि के अनिष्ट, विछोह, विनाश या मृत्यु आदि के कारण होने वाला दुःख, घोर वेदना उदा. रोते ही रहना तो है जीते जी मर जाना, और मरण पर शोक मनाना भी नादानी है ओमप्रकाश चतुर्वेदी 'पराग'- (अनकहा ही रह गया) 2. किसी प्रिय या आत्मीय व्यक्ति को घोर या असह्य दुःख से ग्रस्त देखकर होनेवाली संवेदनात्मक अनुभूति 3. करुण रस का स्थायी भाव, जिसके व्याधि, ग्लानि, मोह, स्मृति, चिन्ता और उन्माद आदि संचारी भाव होते हैं 4. काव्यशास्त्रीय दृष्टि से 'शोक' भाव को करुण